कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

जिला–गरियाबन्द (छ.ग.)

Phone No. 07706-241445 E-Mail :- nrhmgariyaband@yahoo.in, cmogariaband@yahoo.in

स्वास्थ्य विभाग का संक्षिप्त विवरण

जिला गरियाबन्द अन्तर्गत जन समान्य को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने हेतु 5 विकासखण्ड अन्तर्गत 1 जिला अस्पताल, 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 16 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र , 194 उप–स्वास्थ्य केन्द्र संचालित है। जिसमे जिला चिकित्सालय प्रथम रिफरल इकाई अनुसार क्रियाशील है जहां नसबन्दी ऑपरेशन , जटील प्रसव ऑपरेशन, मोतियाबिन्द ऑपरेशन किये जाते है। जिला में कुल 14 प्राथमिक स्वास्थ्य हेतु 24*7 रूप में चिन्हांकित है जो कि रात दिन 24 घंटे एवं सातो दिन सुविधा प्रदान करते है। जिला गरियाबन्द में 1 NBSU संचालित है एवं 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में NBSU हेतु इस वर्ष स्वीकृति प्राप्त हुई है। जिले में कुल 692 ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण समीति है इन VHSNC मे प्रत्येक वर्ष 10 हजार की राशी राज्य शासन द्वारा प्रदाय की जाती है। जिले में जिसका उपयोग ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य गतिविधियों में किया जाता है। 2333 मितानिनों के द्वारा मोहल्लो , पारा मे स्वास्थ्य जागरूकता हेतु सुविधा प्रदाय किया जाता है एवं मितानिनों को दवा पेटी भी प्रदाय किया जाता है, जिले में संजीवनी एक्सप्रेस–108 एम्बुलेंस– 6 उपलब्ध , महतारी एक्सप्रेस–102 – 7, मुक्तांजली एक्सप्रेस–1099 – 1 उपलब्ध है एवं जिला अस्पताल में ब्लड स्टोरेज की सुविधा भी उपलब्ध है और एक पोषण पुनर्वास केन्द्र(एन.आर.सी.) भी संचालित है।

राष्ट्रीय कार्यक्रम की जानकारी एवम् उपलब्धि का संक्षिप्त विवरण

(IDSP)

IDSP योजना के अंतर्गत जिले में कही भी संचारी रोग की स्थिति में early morning Signal जारी किया जाता है जिससे Epidemic की situation से बचा जा सके, इसके लिए जिला स्तरीय 01 तथा विकासखण्ड स्तरीय 05 एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तरीय 16 काम्बट दल का गठन किया गया है जो कही भी outbreak के condition में तत्काल शिविर लगाकर उपचार व्यवस्था करते है, जिले में अभी तक 716 Dog bite के प्रकरण तथा 152 Snack bite के प्रकरणों में उपचार हुआ है।

IDSP unit के तहत जिले स्तर से उन सभी एकीकृत रोगों की निगरानी की जाती है जिससे Epidemic होने की संभावना होती है तथा उन सभी रोगों की Online Report की जाती है।

RBSK (चिरायु)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) योजना का शुभारंभ अगस्त–2014 से किया गया है जिसमे जिला गरियाबन्द अंतर्गत कुल 11 चिरायु दल संचालित है, जिनके द्वारा 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों को स्कुल एवं आंगनबाड़ी में जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है तथा गंभीर रोग से ग्रसित बालक/बालिकाओं का निःशुल्क उपचार एवं उच्च संस्थान में रिफर किया जाता है।

चिरायु दल द्वारा मुख्यतः स्वास्थ्य परीक्षण कर चिन्हित 30 बीमारियों हेतु जांच की जाती है, इन 30 बीमारियों को चार समूह (A,B,C एवं D) में बांटा गया है। जिसमें अगस्त 2014 से अक्टूबर 2016

तक समूह A के कुल 399 रिफर बच्चों में से 76 बच्चों का उपचार, समूह B के कुल 4248 रिफर बच्चों मे से 2853 बच्चों में से 1975 बच्चों का उपचार एवं समूह–D के कुल 2372 बच्चों में से 905 बच्चो का उपचार किया जा चुका है। वर्तमान मे उच्च संस्थान द्वारा कटे होंठ तालू से ग्रषित 27 बच्चों का एवं पैर की विकृति से ग्रषित 16 बच्चों का सफलता पूर्वक ईलाज किया जा चुका है। साथ ही जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित कुल 12 बच्चों का एस्कार्ट हॉस्पिटल रायपुर द्वारा सफलतापूर्वक निःशुल्क ईलाज किया जा चुका है एवं 10 अन्य चिन्हांकित बच्चों का ईलाज प्रकियाधीन है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (RSBY) एवं मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना (MSBY)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (RSBY) एवं मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना (MSBY) का आरंभ गरियाबन्द जिले मे वर्ष 2012 में हुआ था। जिसमे राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना अन्तर्गत केन्द्र शासन द्वारा निर्धारित BPL तथा APLपरिवारों को एवं मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजनान्तर्गत शेष APL परिवारों को शामिल किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत हितग्राही किसी भी पंजीकृत अस्पताल में जाकर शासन द्वारा निर्धारित पैकेज के अनुरूप 30000/– तक का ईलाज प्राप्त कर सकता है। गरियाबन्द जिले में योजनान्तर्गत पंजीकृत चिकित्सालय 07 (5 शासकीय, 2 निजी) है। जिले में अब तक कुल 146565 स्मार्ट कार्ड (RSBY - 132418, MSBY - 14147) बनाया जा चुका है एवं जिले में पंजीकृत चिकित्सालयों द्वारा अब तक कुल 7878 क्लेम (RSBY - 6473, MSBY - 1405) किए गए है। योजना अन्तर्गत आज पर्यन्त तक कुल 24106 (RSBY - 19976, MSBY - 4130) लाभांवित हुए है।

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम गरियाबन्द जिले के अन्तर्गत कुल विकासखण्ड गरियाबन्द, छुरा, राजिम(फिंगेश्वर), मैनपुर एवं देवभोग में कार्य सूचारू रूप से संचालित हो रहे है। जिले मे उपलब्ध पुरूष स्वास्थ्य कार्यकर्ता, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के द्वारा समस्त ग्राम के परिवार का जांच कर कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम में आवश्यक उपलब्धि प्रदान करते आ रहे है।

इस तारतम्य में विगत वर्ष 2015 में छत्तीसगढ़ में स्पर्श कार्यक्रम चलाया गया जिसका उद्देश्य छूपे हुये कुष्ठ रोगी को पहचान कर उपचार करना था जिसमें महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारे गरियाबन्द जिले को प्राप्त हुई। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 5 अक्टूबर से 18 अक्टुबर 2016 तक गरियाबन्द में चर्म रोग निदान एवं उपचार शिविर लगाकर जिला गरियाबन्द को कुष्ठ मुक्त बनाये जाने हेतु सार्थक कदम उठाया गया। विगत 2012 से अब तक की इस कार्यक्रम में प्राप्त उपलब्धि इस प्रकार है।

Year	New case			RFT Case			Remark
	PB	MB	Total	PB	MB	Total	
2012	12	60	72	24	47	71	
2013	56	57	113	44	64	108	
2014	18	70	88	31	26	57	
2015	27	70	97	63	82	145	
2016 Oct.	71	91	162	43	42	85	

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम

जिले व समस्त विकासखण्डों के प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थाओं एवं मितानिनों के पास मलेरिया नियंत्रण संबंधित आवश्यक दवाईयों का भण्डारण किया जा चुका है। 01 जनवरी 2016 से 31 अक्टुबर

2016 तक 321 पी.वी. तथा 1778 पी.एफ. मलेरिया के मरीज मिले है। वर्तमान में मलेरिया के जॉच हेतु आर.डी. कीट एवं उपचार हेतु दवाईयॉ (ए.सी.टी. कीट, आर.टी. सुनेट इंजेक्शन, क्विनीन, प्राईमाक्विन टेबलेट, क्लोरोक्विन टेबलेट) पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। सभी विकासखण्डों मे आई.आर.एस. छिड़काव दो चरणों में पूर्ण किया जा चुका है। जिले के अन्तर्गत मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में मच्छर से बचाव हेतु आवश्यक मच्छर दानी वितरण किया गया है। विस्तृत जानकारी निम्नानुसार है–

S.N.	YEAR	POPULATION	BSE+RDT	TPC	PV	PF	ABER	SPR	API	SFR	PF%	RT DONE	DEATH
1	2014	628910	130685	2256	239	2017	20.78	1.73	3.59	1.54	89.41	2256	0
2	2015	625398	149896	2364	338	2026	23.97	1.58	3.78	1.35	85.70	2364	0
3	2016	627667	127798	2099	321	1778	20.36	1.64	3.34	1.39	84.71	2099	3

कायाकल्प योजना

" स्वच्छ भारत मिशन" अंतर्गत अस्पतालों में साफ–सफाई एवं स्वच्छता को बढ़ाने तथा संक्रमण को रोकने के लिए प्रत्येक वर्ष " कायाकल्प" स्वच्छ अस्पताल योजना का क्रियान्वयन राज्य के समस्त जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में किया जाता है, जिसका प्रमुख उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थाओं में स्वच्छता एवं संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं को बढ़ावा देना है। संक्रमण नियंत्रण के मापदण्ड का पालन करने में अनुकरणीय प्रदर्शन करने वाले केन्द्रों के पहचान कर उनको प्रोत्साहित करना एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थाओं में सकारात्मक स्वास्थ्य परिणामों से संबंधी स्थाई प्रथाओं को विकसित करना है।

पूर्व वर्ष "कायाकल्प 2015–16" में जिला गरियाबन्द जिले से 04 स्वास्थ्य केन्द्र सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छुरा एवं फिंगेश्वर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में कोपरा एवं पाण्डुका बाह्य मूल्यांकन किये जाने हेतु चयनित हुए। "कायाकल्प 2016–17" मे गरियाबन्द जिले से 03 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उरमाल, दीवानमुड़ा एवं खड़मा बाह्य मूल्यांकन किये जाने हेतु चयनित हुए, जिसमें से राज्य स्तरीय दल द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का मूल्यांकन हेतु निरीक्षण किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र दीवानमुड़ा में बिना किसी चिकित्सा अधिकारी/आर.एम.ए. के कार्यो का सफल संचालन एव संस्था का सुचारू रूप से संचालन किये जाने पर सराहना की गई एवं दीवानमुड़ा को जिले में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित करते हुए 02 लाख रूपये एवं प्रशस्ति पत्र प्रदाय किया गया ।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (PMSMA)

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का शुभारंभ 09 मई 2016 से किया गया है। और प्रत्येक माह के 09 तारिक को PMSMA आयोजित किया जाता है।

जो की जिला चिकित्सालय, 05 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 16 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में हर माह के 09 तारीख को आयोजित किया जाता है। जिसमें जांच के लिए चिकित्सा अधिकारी (MBBS) द्वारा गर्भवती का जांच किया जाता है और लैब टेक्नीशियन द्वारा गर्भवती का सभी प्रकार का टेस्ट किया जाता है।

संस्थागत प्रसव

जिला गरियाबन्द के अन्तर्गत कुल 05 विकासखण्ड है गरियबन्द, छुरा, मैनपुर, देवभोग, राजिम(फिंगेश्वर) है जिसके अन्तर्गत 01 जिला अस्पताल, 05 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 16 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं 194 उप–स्वास्थ्य केन्द्र है जिसमें से संस्थागत प्रसव के 01 जिला अस्पताल, 05 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 14 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं 123 उप–स्वास्थ्य केन्द्र में भवन उलब्ध है। जिसके अन्तर्गत होने वाले प्रसव की संख्या हर वर्ष प्रगति पर है जो कि निम्न प्रकार से है।

कमांक	वर्ष	संस्थागत प्रसव की संख्या
1	2012–13	4699
2	2013–14	5104
3	2014–15	6755
4	2015–16	7156
5	2016–17	4476 (अक्टुबर माह तक)

जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (JSSK)

जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत गर्भवती माताओं और नवजात शिशु का स्वास्थ्य सुविधा दी जाती है जिसमें की गर्भवती माता को निःशुल्क जांच, परिवहन, दवाईयॉ, भोजन प्रदाय किया जाता है एवं नवजात शिशु हेतु 0 से 1 वर्ष की आयु तक निःशुल्क जांच, दवाईयां एवं परिवहन की सुविधा प्रदाय किया जाता है, उक्त कार्यक्रम जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में संचालित है।

मिशन इन्द्रधनुष

मिशन, इन्द्रधनुष कार्यक्रम का उदे्श्य जन्म से लेकर 05 साल तक बच्चों को 07,बीमारियों के रोकथाम के टीके लगाये जाते है। जिसके अंतर्गत,

कमांक	**वर्ष**	**fully immunized**
1	2012–13	**6645**
2	2013–14	**5893**
3	2014–15	**6546**
4	2015–16	**6234**
5	2016–17	**6763** (अब तक माह **April to Oct 2016**)

<u>अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम जिला गरियाबंद की जानकारी</u>

अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत गरियाबंद जिले में नेत्र बाहय रागियों की जानकारी वर्ष वार निम्नानुसार है –

वर्ष	मरीजों की संख्या
2012-13	2075
2013-14	4524
2014-15	5963
2015-16	9706

अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत गरियाबंद जिले में विगत 4 वर्षो में मोतियाबिन्द आपरेशन की जानकारी वर्षवार निम्नानुसार है –

YEAR	GOVT. SECTOR	PRIVATE SECTOR
2012-13	174	2060
2013-14	275	1122
2014-15	241	539
2015-16	244	731

गरियाबंद जिले में विगत 4 वर्षो में स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत नेत्र सहायक अधिकारियों के द्वारा जिले के स्कूलो में नेत्र जांच कर चश्मा वितरण किये गये छात्र–छात्रओं की जानकारी वर्ष वार निम्नानुसार है –

YEAR	No. of School examined	No. of Students examined	No. of Students found with Ref. error	No. of Spectactles Glasses distrubuted
2012-13	324	30236	351	344
2013-14	365	33409	473	438
2014-15	355	33493	517	443
2015-16	353	30103	481	549

वर्ष 2014–15 एवं 2015–16 में वृद्ध जनों को निःशुल्क पढ़ने एवं नजदीक के कार्य करने हेतु 750 चश्मों का वितरण किया गया । अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत गरियाबंद जिले में वर्ष 2014–15 में नेत्र दान द्वारा 02 आंखें प्राप्त हुई है जिनका चिकित्सा महाविघालय गरियाबंद में नेत्र प्रत्यारोपण किया गया । वर्तमान में जिला चिकित्सालय गरियाबंद में 02 नेत्र चिकित्सक पदस्थ है एवं प्रति सप्ताह प्रति मंगलवार/बुधवार को मोतियाबिन्द का आपरेशन किया जाता है । प्रत्येक बुधवार को नेत्र बाधित व्यक्तियों का चिकित्सा प्रमाण पत्र भी प्रदाय किये जाते है ।